tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lpuk ,o tulEidZ foHkkx

çekad % Øekad 70
lpuk ,o tulEidZ vf/kdkjh fnukad 03-06-2017

e/;çns'k dks yxkrkj ikapoh ckj feyk Ñf"k deZ.k vokMZ ls
Ñf"k oSKkfudksa dk eLrd Åapk gqvk& MkW- fclsu
dsUnzh; ea=h Jh ujsUnz rksej us i= esa dh Ñf"k foKku dsUnzksa dh rkjhQ

tcyiqj 03 twu& कृषि विज्ञान केन्द्रों में कृषि तकनीक एवं कृषि ज्ञान को हमारे अन्नदाता तक पहुंचाने में अनवरत कार्य कर रहे कृषि वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। परिणाम स्वरूप मध्यप्रदेश को लगातार पांचवी बार कृषि कर्मण अवार्ड प्राप्त हुआ। तदाशय के विचार भारत सरकार के केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र तोमर ने एक पत्र के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्रों में कार्यरत् कृषि वैज्ञानिकों की तारीफ करते हुए प्रस्तुत किये।

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. पी.के. बिसेन ने बताया कि विवि के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्रों के कृषि वैज्ञानिक मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के कृषि विज्ञान केन्द्रों में कार्यरत् हैं। डॉ. बिसेन ने बताया कि म.प्र. में कृषि के विकास में कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार तीनों की अतिमहत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि का तीर्थ कहा जाने वाला मध्यप्रदेश का सबसे पुराना जनेकृविवि के अन्तर्गत प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र तकनीकी ज्ञान के प्रचार प्रसार के साथ अन्नदाता के प्रक्षेत्रों तक आधुनिक कृशि तकनीक पहुॅचाने में महती भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं। परिणामस्वरूप मप्र को लगातार पांचवी बार राश्ट्रीय स्तर पर कृषि कर्मण अवार्ड प्राप्त हुआ। ये विचार विवि परिवार एवं कृषि वैज्ञानिकों हेतु अतिगौरव का विशय है जोकि कृषि वैज्ञानिकों की कार्यक्षमता व कार्य करने हेतु मनोबल बढ़ाने में अति महत्वपूर्ण साबित होगा। कृषि कर्मण अवार्ड से कृषि वैज्ञानिकों का मस्तक ऊंचा हुआ।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyi|j
lpuk ,o tulEidl foHkkx

çskd % Øekd 71
lpuk ,o tulEidl vf/kdkjh fnukd 03-06-2017

tu—fofo e jkis tk;sx 5000 ik/k

jki.k grq uhe] djkSnk] xqyeksgj] ckal] csy] dne] lhrkv'kksd] vke] veyrkl] beyh ds ikS/kksa dk p;u

tcyi|j 03 tuA जवाहरलाल नेहरू कृशि विश्वविद्यालय में 2 जुलाई को वृहद् स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, इस दौरान पूरे विवि परिसर में वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राऐं पौध रोपण करेंगे।

जवाहरलाल नेहरू कृशि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में अधिश्ठाता कृशि महाविद्यालय डॉ. श्रीमती ओम गुप्ता की अध्यक्षता में 11 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय पौधरोपण हेतु स्थान का चयन एवं क्षेत्र के अनुसार पौधे जैसे नीम, करौंदा, गुलमोहर, बांस, बेल, कदम, सीताअशोक, आम, अमलतास, ईमली आदि पौधों का प्रमुखता से चयन किया गया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु कमेटी बनाई गई है। जिसमें प्रमुख रूप से डॉ. ए.के. नायडू, डॉ. व्ही.के. प्यासी, डॉ. एस.डी. उपाध्याय, डॉ. ए.बी. तिवारी, डॉ. आर.के. समैया, डॉ. श्रीमती उशा भाले, डॉ. श्रीमती अनुभा उपाध्याय, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. राहुल डोंगरे, डॉ. स्तुति मिश्रा एवं डॉ. एस.एस. बघेल उपस्थित रहे एवं अपने विचार रखे।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lpuk ,oa tulEidZ foHkkx

çs"kd % — Øekad 72

lpuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh — fnukad 06-06-2017

egkjk"Vª ls vk;s fdlkuksa us lh[kk d`f"k oSKkfudksa ls lks;kchu dk mRiknu xqj

tcyiqj 06 twuA प्रदे ा सोयाबीन उत्पादन में अग्रणी है एवं भाहर के कृशि वि वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों से एवं कुलपति प्रो. व्ही.एस. तोमर के निर्दे ान में सोयाबीन की उत्पादन तकनीक सीखने हेतु दूसरे प्रदे ाों से भी किसान भाहर में भौक्षणिक भ्रमण हेतु आ रहे हैं । संचालक विस्तार सेवायें डा. पी.के. बिसेन एवं प्रि ाक्षण आयोजक डा. अनय रावत के द्वारा महाराश्ट्र के चन्द्रपुर जिले से सोयाबीन उत्पादक बीस प्रगति ािल कृशकों के दल को त्रिदिवसीय प्रि ाक्षण हेतु वि वविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया । प्रि ाक्षण के दौरान किसानों ने सोयाबीन की नवीनतम प्रजातियों, रोग प्रबंधन, कीट प्रबंधन एवं कूड़नाली पद्धति के द्वारा सोयाबीन खेती के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की । प्रि ाक्षण के दौरान प्रमुख वैज्ञानिक डा. ए.एन. श्रीवास्तव, डा. एस. बी. अग्रवाल, डा. एस.बी. दास, डा. ए.के. भौमिक, डा. स्तुति मिश्रा, डा. के.पी. तिवारी, डा. जयंत भट्ट एवं डा. बी.एस. द्विवेदी द्वारा विभिन्न तकनीकी सत्रों में प्रि ाक्षण दिया गया । प्रि ाक्षण आयोजन में विस्तार संचालनालय के डा. अनय रावत, डा. टी.आर. भार्मा, डा. (श्रीमती) अर्चना पाण्डे, डा. संजय वै म्पायन, श्री ए.के. सिंह एवं श्री रघुनाथ ठाकुर का सक्रिय सहयोग रहा ।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lapuk ,oa tulEidZ foHkkx

çsl uksV %
lapuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh | Øekad 73
fnukad 06-06-2017

ldkjkRed nf"Vdks.k ls gh i;kZoj.k lqjf{kr gksxk tusÑfofo fo'o i;kZoj.k fnol euk;k x;k

tcyiqj 06 twuA जवाहरलाल नेहरू कृशि वि वविद्यालय के अंतर्गत सूक्ष्मजीव अनुसंधान एवं उत्पादन केन्द्र, मृदा विज्ञान के सभागार में आज विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, प्रकृति के प्रति सकारात्मक दृश्टिकोण एवं सुरक्षित रखने के उद्देश्य से ये आयोजन किया गया, पर्यावरण असंतुलन आज मानव जनित एवं मानव को प्रभावित करने वाला सबसे बड़ा कारक है। प्राकृतिक संसाधनों का पूर्णतः असंतुलित दोहन से ही इको प्रणाली का संतुलन बिगड़ गया है। इसके सुधार हेतु कार्य किया जाना अति आवश्यक हो गया है। इसी उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता कर रही अधिश्ठाता कृशि महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. (श्रीमती) ओमगुप्ता ने कहा कि हम सभी को पर्यावरण की सुरक्षा हेतु जिम्मेदारी से कार्य करने की आवश्यकता है। हम सभी जागरूक होगे और समाज में जिम्मेदारी के साथ पर्यावरण को बचाव हेतु कार्य करें। अधिश्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी ने कहा कि हम सभी को प्रकृति के संरक्षण हेतु भापथ लेनी होगी ताकि पर्यावरण को विनाश होने से बचाया जा सके।

मृदा विज्ञान विभाग के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बी. सच्चिदानंद ने पर्यावरण दिवस की महत्ता व मनाने के कारणों पर प्रकाश डाला। इस दौरान मृदा विज्ञान विभाग के सभी वैज्ञानिक, कर्मचारी, स्नातकोत्तर एवं पी.एच.डी. के छात्र–छात्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्व पर्यावरण दिवस के पर जागरूपता के उद्देश्य से पर्यावरण विशय पर फिल्म का प्रदर्शन किया गया। डॉ. भोखर सिंह बघेल, वैज्ञानिक द्वारा फिल्म के माध्यम से वर्तमान में प्रदूशण, अधिक जनसंख्या वृद्धि, वृक्षों की कटाई, क्लाईमेट चेन्ज, ग्लोबल वार्मिंग जैसे गंभीर विशयों पर दिखाया गया एवं समाधान हेतु जागरूकता लाने की पहल की गई। इस दौरान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. एन.जी. मित्रा, डॉ. बी.एस. द्विवेदी, डॉ. अमित उपाध्याय, डॉ. राकेश साहू, डॉ. जी.एस. टैगोर, डॉ. जी.डी. भार्मा, फूलचंद अमूले एवं अभिशेक भार्मा, विनोद कुमार एवं राजकुमार काछी आदि की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. भोखर सिंह बघेल द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एन.जी.मित्रा ने किया।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lpuk ,oa tulEidZ foHkkx

çs"kd % | Øekad 74
lpuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh | fnukad 09-06-2017

tuÑfofo thih,l vk/kkj ij djsxk o`{kkjksi.k
vf/kdkjh deZpkjh ikS/ks yxk;sa vkSj lkFk gh cpkus dh ftEesnkjh Hkh ysa & çks- rkse j

tcyiqj 09 twuA नमामि देवी नर्मदे के अन्तर्गत मध्यप्रदेश में चल रहे वृहत स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत जवाहरलाल नेहरू कृशि वि ववविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर द्वारा विवि स्तर पर एक सामीक्षा बैठक द्वारा सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि पूरे विश्वविद्यालय परिसर में किस क्षेत्र में कौन–कौन से पौधे लगाये जायें इसके लिये रूपरेखा तैयार की जाये। इस हेतु अधिकारी–कर्मचारी कम से कम 5 पौधे लगायें व उन्हें बचाने की जिम्मेदारी भी स्वयं लें।

पौधों की रूपरेखा, उन्हें लगाने हेतु गड्डे तैयार करना, पौधे से पौधे की दूरी, कौन कौन से वृक्षों को लगाया जायेगा आदि की पूर्ण जानकारी हेतु जिम्मेदारी उद्याान शास्त्र विभाग के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. नायडू को दी गई है।

कुलपति प्रो. तोमर ने बताया कि कि पौधों को जी.पी.एस. आधार पर एवं तकनीकी स्तर पर पूर्णरूपेन जानकारी के साथ रोपित किया जायेगा। इस हेतु वृक्षों में प्रमुखता से नीम, अमलतास, सीताअशोक, टैबूबिया, सप्तपर्णा/मुनगा, शीशम, सीरस, जामुन, आम, बेल, पुत्तजीवा, आंवला, गुलमोहर आदि पौधे को लगाया जायेगा। कुलपति द्वारा विवि के प्रक्षेत्र व विभिन्न स्थलों का स्वयं निरीक्षण किया गया एवं जरूरी दिशानिर्देश जारी किये।

कुलपति प्रो. तोमर ने भावनात्मक चर्चा के दौरान आव्हान किया कि प्रकृति के संरक्षण एवं सकारात्मक दृश्टिकोण हेतु ये आयोजन अत्यावश्यक है। पर्यावरण असंतुलन आज मानव जनित एवं मानव को प्रभावित करने वाला सबसे बड़ा कारक बन चुका है। प्राकृतिक संसाधनों के असंतुलित दोहन से इको प्रणाली का संतुलन बिगड़ गया है। इसके सुधार हेतु कार्य किया जाना जरूरी हो गया। प्रो. तोमर ने आगे कहा कि प्रकृति के संरक्षण हेतु शपथ लेनी होगी ताकि पर्यावरण का संरक्षण सुनिश्चित हो सके। इस दौरान कुलसचिव श्री अशोक कुमार इंगले, अधिश्ठाता कृशि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक अनुसंधान एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. डी.के. मिश्रा, अधिश्ठाता कृशि डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता, अधिश्ठाता कृशि अभि. डॉ. आर.के. नेमा, आदि उपस्थित थे।

ज्ञात हो कि नमामि देवी नर्मदे वृक्षारोपण के तहत वेबसाईट में 1000 पंजीयन हो चुके हैं तथा पंजीयन प्रक्रिया लगातार जारी है। वृक्षारोपण हेतु जनेकृविवि में उत्साह व्याप्त है।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lwpuk ,oa tulEidZ foHkkx

çekad % Øekad 75
lwpuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh fnukad 13-06-2017

jk"Vªh; Lrj dh ,Dtke esa Ñf"k Nk=ksa dk lq;'k

tcyiqj 13 twuA भारतीय कृशि अनुसंधान परिशद के अन्तर्गत राष्ट्रीय स्तर पर कृशि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा कृशि अनुसंधान सर्विस 2016 एवं नेशनल एलीजिबिलिटी टेस्ट (NET) 2017 का आयोजन 16 से 21 मई के बीच पूरे देशभर में 23 केन्द्रों में ऑनलाईन परीक्षा का आयोजन किया गया था, जो कि कृशि शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोच्च परीक्षा होती है। इस हेतु राष्ट्रीय स्तर पर काम्पीटिशन होता है। इस महत्वपूर्ण परीक्षा में जवाहरलाल नेहरू कृशि वि ववविद्यालय के अन्तर्गत विभिन्न विभागों से एग्रीकल्चर रिसर्च सर्विस हेतु 12 छात्र–छात्राओं का एवं नेट परीक्षा में 67 छात्र–छात्राओं का चयन हुआ। यह विवि हेतु कीर्तिमान है।

जवाहरलाल नेहरू कृशि वि ववविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने बताया कि कृशि शिक्षा की सर्वोच्च संस्था द्वारा आयोजित इस अतिमहत्वपूर्ण परीक्षा हेतु छात्र–छात्राओं द्वारा सही दिशा में मेहनत करने के परिणाम स्वरूप उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है जिससे अन्य छात्र–छात्राओं का प्रेरणा मिलेगी।

अधिश्ठाता कृशि महाविद्यालय डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता के मागदर्शन में समय–समय पर छात्र–छात्राओं हेतु राश्ट्रीय स्तर के विशेशज्ञों द्वारा प्रेरणादायी कार्यक्रमों का आयोजन करवाया गया ताकि छात्र–छात्राओं को कृशि परीक्षाओं हेतु तैयार किया जा सके। साथ ही अधिश्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी द्वारा वर्शभर परीक्षा तैयारी हेतु अतिरिक्त कक्षाऐं लगाई गई।

विश्वविद्यालय स्तर पर सर्वाधित छात्र–छात्राओं जिन्होंने कृशि वैज्ञानिक चयनित पात्रता परीक्षा हेतु पास होकर विवि का नाम रोशन किया। इस में प्रमुख रूप से सस्य विज्ञान 12, पौध रोग 12, मृदा विज्ञान 6, उद्यान शास्त्र 5, कृशि अर्थशास्त्र 4, कृशि विस्तार 1, कीट शास्त्र 3, पौध कार्यिकी 2, पौध प्रजनन एवं अनुवांशिकी 4 एवं कृशि महा. टीकमगढ एवं रीवा में 3–3 छात्र–छात्राओं ने सफलता अर्जित की। राष्ट्रीय स्तर की कृशि परीक्षा की तैयारी हेतु विगत वर्शो से डॉ. एम.एल. केवट प्राध्यापक सस्य विज्ञान द्वारा छात्र–छात्राओं को सतत प्रोत्साहन एवं मागदर्शन दिया जा रहा है।

इस उत्कृश्ट प्रदर्शन करने पर विवि के अधिश्ठाता कृशि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, कुलसचिव श्री अशोक कुमार इंगले, संचालक अनुसंधान एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिश्ठाता कृशि डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता एवं सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकों एवं वज्ञानिकों ने शुभकामनाएं दी।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lpuk ,o tulEidl foHkkx

çsk %   Øekad 76
lpuk ,o tulEidl vf/kdkjh   fnukad 15-06-2017

;kx ls fnup;kl es cMk cnyko

tu Ñf"k fofo] tcyiqj es 15 fnolh; ;kx f'kfoj 'kq:

tcyiqj 15 tuA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में वि व पर्यावरण दिवस से वि व योग दिवस 21 जून, 2017 तक योग शिविर का आयोजन कृषि महाविद्यालय उद्यान में किया जा रहा है जिसमें वि व योग दिवस पर होने वाले योग में विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्य सामूहिक रूप से योग करेंगे, इसको लेकर 15 दिवसीय योग शिविर चलाया जा रहा है इसमें प्राध्यापक, वैज्ञानिक, कर्मचारी बन्धु एवं छात्र छात्रायें नियमित रहकर प्रातः 5:30 से 6:30 तक योग सीखकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। प्रतिदिन योग करने के बाद 15 मिनिट मण्डल में बैठकर पर्यावरण और योग पर चर्चा की जाती है। योग से सभी शिविरार्थियों की दिनचर्या में बहुत बदलाव हो रहा है। छात्रों को सुबह उठने की आदत पड़ने लगी है तो दूसरी ओर सभी अपने कार्य को पहले की अपेक्षा और अधिक ऊर्जा के साथ कर रहे हैं जिसके चलते दिनभर थकावट नहीं होती तथा ध्यान भी स्थायी रहकर अपने कार्य में लगता है।

शिविर संयोजक रंजीत धाकड़ और शिविर सह संयोजक दीपेन्द्र तोमर ने बताया कि प्रारम्भ में कुछ शिविरार्थियों को सुबह उठने में परेशानी हुई पर समय के साथ सभी उठने लगे हैं और नियमित रहकर योग सीख रहे हैं। सभी शिविरार्थियों का कहना है कि शिविर समाप्त होने के बाद इसको नियमित दिनचर्या में सम्मिलित करेंगें तथा माननीय कुलपति जी द्वारा सभी शिविरार्थियों को प्रमाण पत्र भी विश्व योग दिवस के दिन दिये जायेगें।

शिविर का आयोजन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के प्यासी के मार्गदर्शन में और अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता तथा अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय डॉ. आर.के. नेमा के सहयोग से किया जा रहा है।

&000&

çskd %
lpuk ,o tulEidl vf/kdkjh

Øekd 77
fnukd 19-06-2017

tuÑfofo e Hkkj oyk e leg ;kxk 21 tu dk

tcyiqj 19 tuA अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में कृषि विश्वविद्यालय परिवार द्वारा 21 जून, 2017 को प्रातः 5.30 से 7.30 बजे तक कृषि महाविद्यालय उद्यान में सामूहिक योगा किया जायेगा, जिसमें योग को अपने दैनिक जीवन में अपनाने व नियमित रुप से करने के लिय सभी को प्रेरित किया जायेगा ताकि योग करने से चेतना, इच्छाशक्ति और आत्मबल के विकास के साथ–साथ स्वास्थ्य लाभ भी प्राप्त हो सके। नगर के सुप्रसिद्ध योगाचार्य श्री अजय तिवारी जी एवं श्री ब्रजेश प्रजापति द्वारा सभी को योग कराया जायेगा।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी और सहायक छात्र कल्याण डॉ. अनय रावत ने वताया कि 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की संपूर्ण तैयारी विश्वविद्यालय द्वारा कर ली गई है जिसको लेकर विश्वविद्यालय में 15 दिवसीय योग शिविर 6 जून से 21 जून, 2017 चलाया जा रहा है।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyi|j
lpuk ,o tulEidl foHkkx

çsdk % Øekd 78
lpuk ,o tulEidl vf/kdkjh fnukd 20-06-2017

tuÑfofo ,o fdlkuks dk e/; lsrq gS Qkel Vsyh ,Mokbtj &Mkl- fclu
[kjhQ Qlyks dh mRiknu çks|kfxdh gsrq çf'k{k.k lEiUu

tcyi|j 20 tuA जवाहरलाल नेहरू कृशि विश्वविद्यालय स्थित किसान काल सेंटर में फार्म टेली एडवाइजर ग्रेड–1 के लिये सामयिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। एक दिवसीय खरीफ फसलों की उत्पादन प्रौद्योगिकी हेतु आयोजित प्रशिक्षण का उद्घाटन करते हुए संचालक विस्तार सेवाऐं डॉ. पी.के. बिसेन ने आशा व्यक्त की सभी फार्म टेली एडवाइजर प्रशिक्षण के उपरांत कृशकों की ज्वलंत कृशि संबंधित समस्याओं के लिये विश्वविद्यालय के साथ सेतु की तरह कार्य करेंगे। डॉ. बिसेन ने प्रदेश में कार्यरत कृशि विज्ञान केन्द्रों से अधिक से अधिक लाभ उठाने हेतु किसानों को सलाह देने के लिये प्रेरित किया, जिससे कि किसान भाइयों को सही समय पर सही तकनीकी सलाह प्राप्त हो सके एवं खेती को लाभ का धंधा बनया जा सके। प्रशिक्षण समन्वयक कृशि वैज्ञानिक डॉ. अनय रावत ने बताया कि मैनेज हैदराबाद के सहयोग से कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर एवं संचालक विस्तार सेवाऐं डॉ. पी.के. बिसेन के निर्देशन में किसान काल सेंटर में किसानों की सामयिक समस्याओं हेतु धान, सोयाबीन एवं खरपतवार कीट प्रबंधन विशयों पर प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. जी.के. कौतू, प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. ए.एन. श्रीवास्तव, प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अभिशेक भुक्ला, डॉ. संजय वैश्म्पायन, डॉ. अनय रावत ने प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण आयोजित कराने में विस्तार संचालनालय से डॉ. (श्रीमति) अर्चना पाण्डे, रघुनाथ ठाकुर, गुलाम नबी, दुर्गा भांकर सिंगराहा एवं यशवंत ठाकुर का सराहनीय योगदान रहा।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lapuk ,oa tulEidZ foHkkx

ç"kd %
lapuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh

Øekd 79
fnukd 21-06-2017

tuÑfofo e vUrjk"Vh; ;kx fnol dk lekiu
Ñf"k ;ok Nk=k u yxkrkj fd;k 15 fnuk dk ;kx
;kx dk cuk; ftnxh dk vfregRoiw.kZ fgLlk&çk- rkej
dqyifr d lkFk Ñf"k oKkfud f'k{kd vkj Nk=k u fd;k ;kxklu

tcyiqj 21 tuA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में 6 से 21 जून अंतर्राश्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 15 दिवसीय योग शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। आज समापन के अवसर पर विवि के सभी अधिकारी, प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्रों ने योग में भाग लिया।

इस योग शिविर में योग के प्रशिक्षक के रूप में कृषि छात्र ब्रजेश प्रजापति एवं योग कार्यक्रम के सुचारू संचालन में रंजीत सिंह धाकड़ एवं दीपेन्द तोमर का सराहानीय योगदान रहा। योग दिवस के समापन कार्यक्रम में सभी अधिकारियों का स्वागत औशधीय पौधों के द्वारा किया गया, ताकि योग के साथ शरीर स्वस्थ व पौधों से हमारे पर्यावरण को स्वस्थ रखा जा सके। ऐसी जागरूकता व विचार आम जनमानस तक पहॅुचाने विवि द्वारा माड़ल तैयार कर 5000 पौधों का वृक्षारोपण 2 जुलाई को आयोजित है।

अंतर्राश्ट्रीय योग दिवस में तितली आसन, ब्रजासन, शशांकासन, नौकासन, आलोम–विलोम, वक्रासन, भ्रामंरी आदि योग क्रियाऐं की। इस दौरान जबलपुर के ख्यातिलब्ध योग प्रशिक्षक श्री अजय तिवारी का शाल श्रीफल देकर कुलपति प्रो. तोमर द्वारा सम्मानित किया गया। प्रो. तोमर आव्हान किया कि योग को हम सब जिंदगी का अतिमहत्वपूर्ण हिस्सा बनायें। साथ ही 15 दिनों से लगातार योग करने वाले छात्रों को प्रमाणपत्र वितरित किये गये। अधिश्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, कुलसचिव श्री अशोक कुमार इंगले, संचालक अनुसंधान एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. पी.के. बिसेन, अधिश्ठाता कृषि महा. डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता, अधिश्ठाता कृषि अभि. महा. डॉ. आर.के. नेमा एवं अधिश्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी, डॉ. बी. सच्चिदानंद, डॉ. ए.के. भौमिक, डॉ. आर.के. समैया, डॉ. शेखरसिंह बघेल, डॉ. अनुभा उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राऐं उपस्थित रहे।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyi|j
lpuk ,o tulEidl foHkkx

çdk'kd % Øekd 80
lpuk ,o tulEidl vf/kdkjh fnukd 29-06-2017

tuÑfofo e e gjh pknj fcNku dh gbl i.kl r;kjh
5000 o{kk d jki.k gr i.kl oKkfud rjhd l ekMy r;kj fd;k
vkVkefVd e'khu l [kkn xM< % dyDVj u fd;k vkpd fujh{k.k

tcyi|j 29 tuA जवाहरलाल नेहरू कृशि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत 2 जुलाई को नमामि देवी नर्मदे कार्यक्रम के अन्तर्गत वृक्षारोपण में विवि के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में 5000 पौधों का रोपण किया जायेगा। वृहद स्रत पर किये जा रहे वृक्षोरापण कार्यक्रम में विवि परिवार के सभी सदस्य सक्रियता के साथ भागीदारी निभायेंगे एवं हर सदस्य 10—10 पौधों का रोपण करेगा एवं क्षेत्रानुसार विभाग के अधिकारियों के साथ कर्मचारी, छात्र—छात्राओं के साथ वृक्षोरापण कार्यक्रम किया जायेगा। अधिश्ठाता कृशि महा. डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता द्वारा वृक्षोरापण कार्यक्रम हेतु विशय विशेशज्ञों की टीम बनाई गई है। इसके नोडल आफिसर विभागाक्षध्य डॉ. ए.के. नायडू को बनाया गया है एवं साथ ही वरिश्ठ वैज्ञानिक डॉ. ज्ञानेन्द्र तिवारी एवं डॉ. बी. पी. बिसेन द्वारा पूरे विश्वविद्यालय के क्षेत्रानुसार वृक्षों का माड़ल तैयार किया गया है। इसमें प्रमुख रूप से फलों के राजा आम की विभिन्न किस्में जैसे आम्रपाली, दशहरी, अमरूद की किस्में, सागौन, करौंदा, मुनगा (उत्तम पोशक तत्व प्रदान करने वाले) सीता अशोक, प्राइड आफ इंडिया, नीम, पुत्तजीवा, अमलतास, बेल, कटहल, ऑवला एवं जामुन आदि का वृहद स्तर पर पौध रोपण होगा। कुलसचिव श्री अशोक कुमार इंगले ने बताया कि वृक्षारोपण हेतु क्षेत्र के अनुसार हर विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम बनाकर वृक्षारोपण किया जायेगा। इस मॉड़ल आधारित वृक्षारोपण से भविश्य में कृशकों हेतु मार्गदर्शन व कृशि छात्रों को शिक्षा हेतु व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने मे सहायता मिलेगी। इस कार्य में अधिश्ठाता कृशि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक अनुसंधान एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिश्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी, कार्यपालन यंत्री इंजी. श्री पी.के. सिंह, डॉ. एस.डी. उपाध्याय, डॉ. एम.के. समैया, डॉ. उशा भाले, इंजी. श्री यू.के. श्रीवास्तव, श्री रमाकान्त मिश्रा, श्री कामता प्रसाद एवं अनेक वैज्ञानिकों व कर्मचारियों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। गड्ढों हेतु आटोमेटिक मशीन का उपयोग भी किया जा रहा है। 5000 से अधिक गड्ढे खोदे गये हैं।

dyDVj Jh eg'kpUn pk/kjh u fd;k fujh{k.k

जवाहरलाल नेहरू कृशि विश्वविद्यालय के प्रागंण में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं पौधों के रोपण स्थल का कलेक्टर श्री महेशचन्द्र चौधरी, अपर कलेक्टर श्री छोटे सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री एम.एस. सिकरवार आदि ने निरीक्षण कर आवश्यक दिशा—निर्देश दिये। इस दौरान अधारताला थाना प्रभारी श्री विपिन ताम्रकार, अधिश्ठाता डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता, डॉ. ज्ञानेन्द्र तिवारी, डॉ. बी.पी. बिसेन, डॉ. टी.आर. शर्मा, डॉ. शेखरसिंह बघेल, डॉ. अमित झा एवं श्री रमाकान्त मिश्रा आदि उपस्थित थे।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyi|j
lpuk ,o tulEidl foHkkx

çdk'k %
lpuk ,o tulEidl vf/kdkjh

Øekd 81
fnukd 30-06-2017

Ñf"k fo'ofo|ky; e dEil Hkh gks jg g vku ykbu

tcyi|j 30 tuA आज के सूचना एवं प्रौद्योगिकी के दौर में नित नये प्रयोगों से समय की बचत हो रही है। देश के अग्रणी जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में संचार माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में दिनांक 30.06.2017 को कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ पी. के. मिश्रा, संचालक विस्तार सेवायें डॉ पी.के. बिसेन के कुशल मार्गदर्शन में एवं डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक अनुसंधान, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के प्यासी, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय डॉ आर.के. नेमा एवं सहायक छात्र कल्याण अधिकारी डॉ. अनय रावत के मार्गदर्शन में ऑन लाईन परीक्षा का आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय के प्लेस्मेंट सेल अधिकारी डॉ. अनय रावत ने बताया कि इसी कड़ी में विश्वविद्यालय में स्थित अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय में ऑनलाईन कैम्पस परीक्षा का आयोजन देश की अग्रणी ट्रैक्टर निर्माता कंपनी महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा मुंबई द्वारा कृषि अभियांत्रिकी स्नातक छात्र–छात्राओं के लिये विपणन स्नातक प्रशिक्षु पद हेतु ऑनलाईन परीक्षा का आयोजन किया गया। इस आन लाईन परीक्षा में कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के वर्ष 2017 बैच के लगभग 20 छात्र–छात्राओं ने ऑनलाईन परीक्षा दी। परीक्षा में शामिल छात्र– छात्राओं ने हर्ष व्यक्त करते हुये कहा कि अब ऑनलाईन परीक्षा विवि कैम्पस में ही हो सकेगी, इसके पूर्व ऑनलाईन परीक्षा हेतु छात्र–छात्राओं को मुख्यालय से बाहर जाना पड़ता था।

साक्षात्कार संपन्न कराने में आई.टी. एक्सपर्ट धीरेन्द्र एवं अधिष्ठात छात्र कल्याण कार्यालय के शैलेन्द्र रजक, एस.पी. त्रिपाठी, यशवन्त सिंह राजपूत एवं संतोष रजक का विशेष योगदान रहा।

&000&